नवभारत 08
भोपाल, रविवार, 19 अक्टूबर, 2025

17 साल बाद स्वर्ण की उम्मीद जगी

तन्वी शर्मा ने बैडमिंटन में रचा इतिहास, विश्व जूनियर बैडमिंटन के फाइनल में पहुंचीं

गुवाहाटी 18 अक्टूबर. भारत की 16 वर्षीय बैडमिंटन सनसनी तन्वी

चीन की लियू सी या को सीधे गेमों में 15-11, 15-9 से हराया

साइना नेहवाल के बाद भारतीय बैडमिंटन में नई चमक

शर्मा ने शनिवार को गुवाहाटी में इतिहास रच दिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2025 के गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने चीन की एशियाई जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता लियू सी या को सीधे गेमों में (15-11, 15-9) मात दी। इस शानदार जीत के साथ, तन्वी यह उपलब्धि हासिल करने वाली केवल पाँचवीं भारतीय शटलर बन गई हैं। उन्होंने अपर्णा पोपट (1996), साइना नेहवाल (2006, 2008), सिरिल वर्मा (2015), और शंकर मुथुसामी (2022) जैसे दिग्गजों के क्लब में अपनी जगह बनाई है। तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ ही भारत के लिए कम से कम एक पदक सुनिश्चित कर दिया था। वह साइना नेहवाल के 2008 के स्वर्ण पदक के बाद विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शटलर हैं। उन्होंने 17 साल के लंबे इंतजार को खत्म किया है।क्वार्टर फाइनल में तन्वी ने जापान की साकी मत्सुमोतो को एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 13-15, 15-9, 15-10 से हराया था।

खिताबी जंग आज

खिताबी मुकाबले में, तन्वी का सामना रविवार को थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त अनयापत फिचिटप्रीचासक से होगा। भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों को अब उनसे 2008 के बाद देश के लिए पहला महिला एकल विश्व जूनियर स्वर्ण पदक लाने की उम्मीद है।

तीरंदाजी विश्व कप फाइनल

ज्योति वेन्नम ने विश्व कप में जीता कांस्य पदक

नानजिंग (चीन)। 18 अक्टूबर. भारत की दिग्गज कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शनिवार को नानजिंग, चीन में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप फाइनल 2025 में इतिहास रच दिया। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई हैं।

- **कांस्य मुकाबले में ब्रिटेन की एला गिब्सन को 150-145 से हराया**
- **लगातार पांच एंड में 15 सटीक 10 अंक दाग कर जीता पदक**

मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन ज्योति ने कांस्य पदक मुकाबले में त्रुटिहीन प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में 29 वर्षीय ज्योति ने विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी ग्रेट ब्रिटेन की एला गिब्सन के खिलाफ 15 एकदम सटीक (10 अंक वाले) तीर दागे।

इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत ज्योति ने 150-145 के प्रभावशाली स्कोर से जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में अपना पहला पोडियम स्थान हासिल किया।

अंतिम चार में करीबी हार

क्वार्टर फाइनल में उन्होंने अमेरिका की एलेक्सिस रुइज को 143-140 से हराया। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें कड़े मुकाबले में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी मेक्सिको की एंड्रिया बेसेरा से 143-145 के करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में, लक्ष्य सेन बाहर

डेनमार्क ओपन

सात्विक-चिराग ने इंडोनेशियाई जोड़ी को 21-15, 18-21, 21-16 से हराया

ओडेंसे (डेनमार्क) 18 अक्टूबर. भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं, पुरुष एकल में युवा शटलर लक्ष्य सेन का अभियान क्वार्टर फाइनल में थम गया।

विश्व की शीर्ष भारतीय जोड़ी सात्विक और चिराग ने शुक्रवार को हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी मुहम्मद रियान अर्दियांतो और रहमत हिदायत को तीन गेम तक चले रोमांचक मैच में हराया। 65 मिनट तक चले इस मुकाबले में सात्विक-चिराग ने 21-15, 18-21, 21-16 से जीत दर्ज की।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम 17-16 से आगे होने के बाद लगातार चार अंक लेकर अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने जोरदार वापसी की। एक समय 10-4 से पीछे रहने के बावजूद, उन्होंने स्कोर 17-17 से बराबर किया और गेम जीत लिया। निर्णायक तीसरे गेम में, सात्विक और चिराग ने शुरुआत में ही नियंत्रण हासिल

लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में बाहर

पुरुष एकल में, लक्ष्य सेन का सफर फ्रांस के विश्व नंबर 7 एलेक्स लानियर के हाथों समाप्त हो गया। लक्ष्य सेन 44 मिनट में सीधे गेमों में 21-9, 21-14 से हार गए।लक्ष्य सेन, जिन्होंने पिछले दौर में विश्व नंबर 2 एंडर्स एंटोनसेन को चौंकाया था, इस मैच में शुरुआत से ही लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे। वह दोनों गेमों में मध्य अंतराल तक क्रमशः 11-5 और 11-4 से पीछे चल रहे थे, जिसके बाद वह वापसी नहीं कर पाए।

अनाहत की हार

नई दिल्ली 18 अक्टूबर. भारत की मौजूदा महिला राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मिस्र की जाना स्वैफी से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।विश्व की 45वें नंबर की खिलाड़ी और टूर्नामेंट की दूसरी वरीयता प्राप्त दिल्ली की किशोरी अनाहत ने 11-4, 11-9 से शुरुआती दो गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने तीसरा और चौथा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक पांचवें गेम तक खींच लिया। हालांकि, आठवीं वरीयता प्राप्त स्वैफी ने निर्णायक गेम 11-5 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।इससे पहले, अनाहत को पहले दौर में बाई मिली थी।

सुल्तान जोहोर कप पर ऑस्ट्रेलिया का कब्जा

फाइनल में भारत को 2-1 से हराया

जोहोर बाहरू, मलेशिया, 18 अक्टूबर। भारत को फाइनल में एक बार फिर कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को तमन दाया हॉकी स्टेडियम में खेले गए

- **कप्तान रोहित की गलती पड़ी भारी**

सुल्तान जोहोर कप 2025 के फाइनल में भारत को 2-1 के मामूली अंतर से हराकर खिताब जीत लिया।

मैच की शुरुआत धीमी रही। पहले क्वार्टर के अंत में ऑस्ट्रेलिया ने खाता खोला। मैच में दो मिनट शेष रहते, इयान ग्रोबेलायर ने ऑस्ट्रेलिया के पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले ब्रेक के बाद अनमोल एक्का ने भारत के 48वें प्रयास में ज़ोरदार फ्लिक लगाते हुए हाफ-टाइम से ठीक पहले स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे हाफ में भारत ने कई हमले किए और कई शॉर्ट कॉर्नर भी अर्जित किए, लेकिन बढ़त हासिल करने में विफल रहा। तीसरा क्वार्टर पूरी तरह से रक्षात्मक लड़ाई में बदल गया, जहाँ दोनों टीमें मजबूत बैकलाइन को भेदने में नाकाम रहीं। मैच खत्म होने से सिर्फ दो मिनट पहले, मुकाबला निर्णायक मोड़ पर आ गया। पेनल्टी कॉर्नर को डिफेंड करते समय भारतीय कप्तान रोहित से एक बड़ी गलती हुई। वह बॉल इंजेक्शन से पहले ही लाइन से बाहर निकल गए, जिसके परिणामस्वरूप भारत को एक पेनल्टी मिली।इस गलती के कारण भारत को अगला शॉर्ट कॉर्नर केवल तीन आउटफील्ड खिलाड़ियों के साथ डिफेंड करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

निंगबो ओपन 2025

राइबाकिना ने पॉलिनी का सपना तोड़ा

निंगबो, चीन, 18 अक्टूबर। कज़ाकिस्तान की पूर्व विंबलडन चैंपियन एलिना राइबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निंगबो ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में इटली की जैस्मीन पालिनी को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से करारी शिकस्त दी।

यह राइबाकिना के मौजूदा सीज़न का दूसरा फाइनल है, और उनकी इस जीत से अगले महीने रियाद में होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें भी ज़िंदा हैं।

> इस मुकाबले में पालिनी के पास डब्ल्यूटीए फाइनल्स का टिकट सुरक्षित करने का सुनहरा मौका था, लेकिन राइबाकिना की जीत ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। पालिनी की हार के साथ, फाइनल्स की आखिरी दो बची जगहों के लिए अब अगले सप्ताह टोक्यो में होने वाले पैन-पैसिफिक ओपन तक संघर्ष जारी रहेगा। इस दौड़ में मीरा आंद्रीवा भी शामिल हैं।

18 साल में दिव्यांश ने शूटिंग में विश्व रिकॉर्ड बनाया

10 मीटर एयर राइफल में गोल्ड और विश्व रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया

नई दिल्ली 18 अक्टूबर. भारत के युवा निशानेबाज दिव्यांश सिंह पंवार ने अपनी मेहनत, लगन और आत्मनियंत्रण से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता हासिल की है।

महज 18 साल की उम्र में ही 10 मीटर एयर राइफल में विश्व रैंकिंग के पहले पायदान तक पहुंच चुके दिव्यांश राजस्थान के जयपुर के हैं।19 अक्टूबर 2002 को जन्मे दिव्यांश ने केवल 12 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। बचपन में ही उन्होंने प्लास्टिक की बंदूक और दीवार पर निशाना बनाकर अभ्यास शुरू किया। बाद में बड़ी बहन के शूटिंग उपकरणों के साथ जंगपुरा शूटिंग रेंज में नियमित प्रैक्टिस की।2017 में दिव्यांश ने जूनियर और युवा दोनों नेशनल्स में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धाओं में जीत दर्ज कर ध्यान खींचा। फरवरी 2019 में उन्होंने

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में सीनियर वर्ग में हिस्सा लिया और क्वालिफिकेशन में 12वां स्थान हासिल किया। इस अनुभव ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत होने और खेल पर पूरी तरह फोकस करने की प्रेरणा दी। इसके बाद दिव्यांश ने कड़ी ट्रेनिंग रूटीन अपनाया। सुबह 5.30 बजे उठकर फिजिकल ट्रेनिंग की, फिर शूटिंग रेंज में 9 बजे से 1 बजे तक अभ्यास किया। शाम को फिर से फिजिकल ट्रेनिंग के बाद रात 10 बजे तक सोने का नियम बनाया।

16 साल की उम्र में ही दिव्यांश ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2019 में 10 मीटर एयर राइफल में सिल्वर जीतकर ओलंपिक कोटा हासिल किया। 2013 में जूनियर वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में गोल्ड जीतने वाले दिव्यांश ने 2019 में मिश्रित टीम स्पर्धा में गोल्ड हासिल किया और 'गोल्डन टारगेट अवार्ड' से सम्मानित हुए।

खिलाड़ियों के विरोध में उतरे शाबी अलोंसो

ला लीगा मियामी मैच विवाद

- **यह फैसला प्रतिस्पर्धा को विकृत करता है : कोच**
- **एम्बाप्पे खेलने के लिए फिट**

मैड्रिड, 18 अक्टूबर।रियल मैड्रिड के मुख्य कोच शाबी अलोंसो ने ला लीगा प्रबंधन के उस विवादास्पद फैसले के खिलाफ खुलकर खिलाड़ियों के विरोध का समर्थन किया है, जिसके तहत लीग का एक मैच अमेरिका के मियामी में आयोजित किया जाना है।

अलोंसो का यह बयान रविवार को गेताफे के खिलाफ होने वाले रियल मैड्रिड के मुकाबले से पहले आया है। ला लीगा ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि बार्सिलोना और

विलारियल के बीच 20 दिसंबर, 2025 को होने वाला अवे गेम संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा। यह किसी यूरोपीय शीर्ष-स्तरीय लीग का विदेश में आयोजित होने वाला पहला मुकाबला होगा।

सर्वसम्मति का अभाव

इस निर्णय के खिलाफ स्पेनिश फुटबॉलर्स एसोसिएशन (स्त्रश्व) ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि इस सप्ताह के प्रत्येक ला लीगा मैच की शुरुआत में 卐प्रतीकात्मक विरोध卐 किया जाएगा। यह विरोध शुक्रवार को ओविएडो और एस्पेनयोल के मैच में देखा गया, जहाँ खिलाड़ियों ने शुरुआती 15 सेकंड तक हिलने से इनकार कर दिया। ला लीगा में शीर्ष पर चल रही रियल मैड्रिड के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण अपडेट में, अलोंसो ने पुष्टि की कि स्टार स्ट्राइकर कायलियन एम्बाप्पे गेताफे के खिलाफ मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फ्रांसीसी सुपरस्टार पिछले पखवाड़े से टखने की परेशानी से जूझ रहे थे और इस कारण उन्होंने सोमवार को आइसलैंड के खिलाफ फ्रांस का विश्व कप क्वालीफायर भी छोड़ दिया था।

जापान ओपन के फाइनल में पहुंचीं फर्नांडीज

ओसाका, जापान, 18 अक्टूबर।डब्ल्यूटीए जापान ओपन में शेष बची एकमात्र वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लेलाह फर्नांडीज ने रविवार को होने वाले फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

कनाडा की चौथी वरीयता प्राप्त इस खिलाड़ी ने शनिवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में रोमानिया की 35 वर्षीय सोराना सर्स्टिया को 6-1, 2-6, 6-4 से हराकर जोरदार जीत दर्ज की।

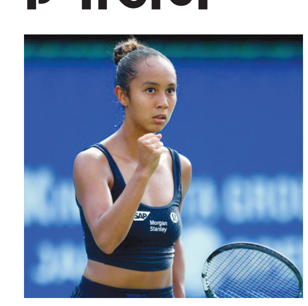

निर्णायक तीसरे सेट में मैच 4-4 की बराबरी पर था, जब फर्नांडीज ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल करते हुए सर्स्टिया की सर्विस तोड़ दी। अगले गेम में उन्होंने अपनी सर्विस सफलतापूर्वक बचाई और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पहला एक दिवसीय

कोहली और रोहित सात महीने बाद वनडे टीम में लौटे

आज होगा गिल की कप्तानी में भारत-आस्ट्रेलिया टकराव

चेन्नई 18 अक्टूबर. अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी के बावजूद, रविवार को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले वनडे मुकाबले में सभी की निगाहें युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पर टिकी होंगी।

26 वर्षीय गिल इस मैच के साथ पूर्णकालिक एकदिवसीय कप्तान के तौर पर अपने करियर का आगाज कर रहे हैं, जो इस श्रृंखला को एक नया आयाम देता है। करीब सात महीने बाद कोहली और रोहित एकदिवसीय फॉर्मेट में भारतीय टीम में लौट रहे हैं। पिछली बार ये दोनों

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद एक साथ इस फॉर्मेट में दिखे थे। इस लंबे अंतराल में टीम इंडिया ने युवा खिलाड़ियों के साथ कई घरेलू और विदेशी दौरे किए हैं। अपनी पिछली प्रतिस्पर्धा इंडियन प्रीमियर लीग के बाद दोनों ने इस वापसी के लिए गहन प्रशिक्षण लिया है। बेंगलुरु में नेट सत्र के दौरान रोहित काफी फिट और दुबले नज़र आए, जबकि कोहली लंदन में निजी रूप से मैच फिटनेस हासिल करने में जुटे थे। इतने लंबे ब्रेक के बाद ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम का सामना करना उनकी लय और फॉर्म के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। हालांकि, यह भी सच है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों बल्लेबाजों का प्रदर्शन हमेशा सर्वश्रेष्ठ रहा है। रोहित इस बार विशुद्ध रूप से एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल हो रहे हैं, जो वर्षों में पहली बार है जब वह कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे हैं।

टीमें (संभावित)

भारत- शुबमन गिल (ष्), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (1ष्), अक्षर पटेल, केएल राहुल (2ड्ड), नितिश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हरशित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (2ड्ड), यशस्वी जयसवाल

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (ष्), ज़ेवियर बार्टलेट, कूपर कोनॉली, बेन द्वार्शियस, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, मैथ्यू कुहेनमैन, मार्नस लाबुशाने, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेंसॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क

माया और यामलापल्ली को वाइल्ड कार्ड

डब्ल्यूटीए चेन्नई ओपन 2025मेगा इवेंट 27 अक्टूबर से

चेन्नई, 18 अक्टूबर।तीन साल के अंतराल के बाद शहर में लौट रही डब्ल्यूटीए 250 चेन्नई ओपन अंतर्राष्ट्रीय महिला टेनिस चैंपियनशिप के लिए भारतीय टेनिस प्रशंसकों के लिए

फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट लोइस बॉइसन को टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता

स्लोवाकिया की मिया पोहांकोवा को भी वाइल्ड कार्ड मिला

उत्साहवर्धक खबर है। 16 वर्षीय उभरती हुई भारतीय स्टार माया राजेश्वरण रेवती और उनकी हमवतन सहजा यामलापल्ली को एकल मुख्य ड्रॉ

के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री दी गई है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से एसडीटीए स्टेडियम में शुरू होगा।

इस बार टूर्नामेंट में सबसे बड़ा आकर्षण इस साल फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल तक पहुँचीं फ्रांस की विश्व नंबर 38 लोइस बॉइसन होंगी। उन्हें शीर्ष वरीयता मिलने की प्रबल संभावना है। दिलचस्प बात यह है कि बॉइसन ने भी वाइल्डकार्ड के ज़रिए ही 32-खिलाड़ियों के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया है। मुख्य ड्रॉ की एक अन्य वाइल्डकार्ड एंट्री स्लोवाकिया की मिया पोहांकोवा को मिली है, जिन्होंने इस साल विंबलडन जूनियर चैंपियनशिप जीती थी।